



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक :22.09.2023

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान – जारी करने का दिन :2023-09-22 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-09-23	2023-09-24	2023-09-25	2023-09-26	2023-09-27
वर्षा (मीमी)	20.0	20.0	20.0	10.0	10.0
अधिकतम तापमान(से.)	22.0	22.0	22.0	23.0	24.0
न्यूनतम तापमान(से.)	14.0	14.0	13.0	13.0	13.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	95	95	95	95	95
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	65	65	65	65	65
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6	4	6	6	6
पवन दिशा (डिग्री)	110	110	70	70	70
क्लाउड कवर (ओक्टा)	3	3	3	1	1

सम सारांश / चेतावनी:

आने वाले पांच दिनों में 27 सितंबर तक 10-20 मिमी तक हल्की बारिश होने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 22.0 से 24.0 डिग्री सेल्सियस और 13.0 से 14.0 डिग्री सेल्सियस के बीच हो सकता है। पूर्व-उत्तर-पूर्व दिशा से 4-6 किमी/घंटा की रफ्तार से हवा चलने का अनुमान है। 22-26 सितंबर, 2023 तक नैनीताल में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/तूफान आने की संभावना है। उल्लिखित सप्ताह के लिए तीव्र वर्षा के साथ इसी तरह की स्थितियों के बारे में पीली चेतावनी दी गई है।

सामान्य सलाहकार:

जिले के लिए विस्तारित रेंज पूर्वानुमान के अनुसार 51.9 मिमी की साप्ताहिक औसत वर्षा पिछले सप्ताह यानी 13-20 सितंबर के लिए सामान्य वर्षा पैटर्न को इंगित करती है और आगामी सप्ताह काफी हद तक कम वर्षा का संकेत देती है। राज्य में वास्तविक वर्षा 37.9 मिमी के मुकाबले 41.1 मिमी सामान्य (9%) रही। वर्षा पैटर्न राज्य में विद्यमान उच्च परिवर्तनशीलता प्रवृत्ति को इंगित करता है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पिछले सप्ताह के मौसम, मौसम पूर्वानुमान आदि की जानकारी के लिए "मेघदूत ऐप" डाउनलोड करें बिजली संबंधी जानकारी पाने के लिए कृषि मौसम संबंधी सलाह और "दामिनी ऐप"। मेघदूत और दामिनी ऐप्स कर सकते हैं गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) से डाउनलोड किया जा सकता है। इससे उन्हें कृषि गतिविधियों के संबंध में सही निर्णय लेने में मदद मिलेगी।

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी सप्ताह में हल्की वर्षा होने की संभावना है, इसलिए सभी कृषि गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	अवस्था	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	प्रजनन अवस्था / परिपक्वता	झुलसा रोग अधिक होने पर स्ट्रेप्टोसाइक्लिन 15 ग्राम + कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 500 ग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से 1000 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करना चाहिए। छिड़काव 7-10 दिनों के अंतराल पे करना चाहिए। तना छेदक कीट यदि ईटीएल के ऊपर उपस्थिति है तो उस पर क्लोरान्द्रानिलीप्रोले 20 एस.सी 150 मि.ली. या फ्लूबेंडिबें यामाइड 480 एससी 75 मि.ली. या फिप्रोनिल 5 एससी 1.0 लीटर या 600 ग्राम कार्टाप हाइड्रो क्लोराइड 50 डब्लूपी या 2.5 लीटर क्लोरपाइरीफॉस 20 ईसी प्रति हेक्टर की दर से 500-600 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करना चाहिए। आम कीट यानी धान फुदका के प्रकोप पर किसानों को ट्रा इफलूमेज़ोपायरिम 10 एससी 235 मिली/फिप्रोनिल 5 एससी 1000 मिली/बुप्रोफेज़िन 25 एससी 1 लीटर/ थियामेथोकजाम 25 डब्लूएसजी 100 ग्राम प्रति हेक्टेयर के दर से 500 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। छिड़काव तने के पास करना चाहिए। कम संक्रमण की स्थिति में बुप्रोफेज़िन, अधिक संक्रमण की स्थिति में ट्रा इफलूमेज़ोपायरिम और तना छेदक+ब्राउन प्लांट हॉपर के हमले की स्थिति में फिप्रोनिल 5 एससी का उपयोग करना चाहिए।पकी हुई अगेती किस्मों की कटाई करनी चाहिए। छिड़काव साफ़ मौसम की स्थिति में किया जाना चाहिए।
रागी	कल्ले फूटना/ परिपक्वता	बाजरा की देर से पकने वाली किस्मों में फसल की निगरानी करते रहें क्योंकि तना छेदक कीट फसल को नुकसान पहुंचाता है। इसकी रोकथाम के लिए फिप्रोनिल 5 एस. सी. 1 लीटर या कॉरटाप हाइड्रो क्लोराइड 50 डब्लू. पी. 600 ग्राम या क्लोरपाइरीफॉस 20 ई. सी. 2.5 लीटर 500-600 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। सभी कृषि गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए। बाजरे की पकी हुई किस्मों की कटाई कर लेनी चाहिए।
मक्का	वनस्पतिक विकास/ परिपक्वता	कीट का प्रकोप होने पर उचित कृषि उपाय करना चाहिए। झुलसा रोग के लक्षण दिखने (लम्बे तथा अण्डाकार नाव के आकार के पीले से भूरे राण के धब्बे) पर मैकोजेब या जिनेब 75 डब्लू पी की 1.5 -2.0 कि. ग्रा. मात्रा को 750 -800 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टर की दर से डालें। दूसरा छिड़काव प्रथम के 10 -15 दिन बाद करना चाहिए।सभी कृषि गतिविधियाँ साफ़ मौसम की स्थिति में की जानी चाहिए । सभी कृषि गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए। मक्के की अगेती किस्मों की तुड़ाई करनी चाहिए।
मूँग	वनस्पतिक विकास/ परिपक्वता	वानस्पतिक अवस्था में फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए। अंतिम माह में बोई गई फसल में निराई-गुड़ाई करनी चाहिए तथा फसल की आवश्यकता तथा

		पूर्वानुमान के अनुसार हल्की सिंचाई करनी चाहिए। सफेद मक्खी द्वारा प्रसारित पीले मोज़ेक वायरस की उपस्थिति पर, पाइरीप्रोक्सीफेन 10 ई.सी. 0.5 लीटर/हेक्टेयर की दर से 500-600 लीटर पानी में मिलाकर 10-12 दिनों के अंतराल पर डालें। किसानों को पीला मोज़ेक वायरस के प्रति प्रतिरोधी किस्मों का उपयोग करना चाहिए। छिड़काव साफ़ मौसम की स्थिति में किया जाना चाहिए। परिपक्व फसल की कटाई की जानी चाहिए और खरीद/खपत के लिए भंडारण किया जाना चाहिए।
काला चना	वनस्पतिक विकास/ परिपक्वता	वानस्पतिक अवस्था में फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए। अंतिम माह में बोई गई फसल में निराई-गुड़ाई करनी चाहिए तथा फसल की आवश्यकता तथा पूर्वानुमान के अनुसार हल्की सिंचाई करनी चाहिए। सफेद मक्खी द्वारा प्रसारित पीले मोज़ेक वायरस की उपस्थिति पर, पाइरीप्रोक्सीफेन 10 ई.सी. 0.5 लीटर/हेक्टेयर की दर से 500-600 लीटर पानी में मिलाकर 10-12 दिनों के अंतराल पर डालें। किसानों को पीला मोज़ेक वायरस के प्रति प्रतिरोधी किस्मों का उपयोग करना चाहिए। छिड़काव साफ़ मौसम की स्थिति में किया जाना चाहिए। परिपक्व फसल की कटाई की जानी चाहिए और खरीद/खपत के लिए भंडारण किया जाना चाहिए।
सोयाबीन	फूल/फली बनना	फसल की नियमित निगरानी करें और तना छेदक मक्खी की उपस्थिति में क्लोरान्द्रानीलीप्रोले 18.5 एससी 150 मि.ली. के दर से 700-800 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। यह प्रयोग गर्डल बीटल के लिए भी प्रभावी है। छिड़काव साफ़ मौसम की स्थिति में किया जाना चाहिए।
अरहर (लाल चना/अरहर)	फूल/फली बनना	फलियां आने पर खेत सूखा ना रहे इसके लिए हल्की सिंचाई पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए करें। फली बेधक कीट के दिखने पर 5-6 फेरोमोन प्रपंच/हेक्टर की दर से फसल में फूल आते समय खेत में लगाए। यदि 5-6 माँथ प्रति प्रपंच दो-तीन दिन लगातार दिखाई दे तो निम्नलिखित में से एक दवा का प्रयोग करें एन. पी. वी 500 सुंडी तुल्यांक अथवा बी. टी. 1 कि. ग्रा./ हेक्टर की दर से छिड़काव करें। निबोली 5% + 1% साबुन का घोल तथा इन्डोक्साकार्ब 14.5 ई. सी. की 353-400 मि. ली. या इमामेक्विटन बेन्जोएट 5 एस. जी. की 220 मि. ग्रा. या स्पाइनोसेड 45 एस. सी. की 125-162 मि. ली. मात्रा प्रति हेक्टर। छिड़काव साफ़ मौसम की स्थिति में किया जाना चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	अवस्था	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	अंकुरित पौधा	रोपाई के चार से छः सप्ताह बाद हल्की गुड़ाई कर जड़ों पर मीट्टी चढ़ाना चाहिए। रासायनिक खरपतवार नियंत्रण के लिए फ्लूक्लोरोलिन की 1.0 कि. ग्रा. सक्रिय अंश प्रति हेक्टर की दर से पौध रोपण के एक दिन पूर्व करना चाहिए। छिड़काव साफ़ मौसम की स्थिति में किया जाना चाहिए।
मूली	बुआई/अंकुरण	मूली की फसल में शुष्क मौसम होने पर हल्की सिंचाई बुआई के तुरन्त बाद करनी चाहिए तथा दूसरी सिंचाई 3-4 पत्तियाँ आने पर करनी चाहिए। सिंचाई पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए करें।

गाजर	बुआई/अंकुरण	अंकुरण के बाद नियमित निराई-गुड़ाई करनी चाहिए तथा पौधे से पौधे की दूरी 6-10 सेमी रखनी चाहिए। सभी कृषि गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए।
सेम/बाकला	बुवाई	इस माह में बुआई की जा सकती है। सभी कृषि गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	गोवत्स के पैदा होने के 15 दिन के उपरांत कैल्शियम, मैगनीशियम, फॉस्फोरस , जिंक , आयरन , आयोडीन , कॉपर तत्वों को लवण मिश्रण अथवा मिनरल ड्रॉप के रूप में सेवन कराएं।
भैंस	फूटरॉट ' रोग को रोकने के लिए, खुरों को कम से कम 3 दिनों तक सुबह और शाम के समय 2-3 मिनट के लिए 10% फॉर्मलिन घोल या 5% नीले थोथे में डुबोया जाना चाहिए।
बकरी	ग्रामीण क्षेत्र में भेड़ एवं बकरियों को टिटनेस टॉक्सॉइड के 2 टिक्के एक माह पर, दूसरा 5 माह पर अवश्य लगवायें, जिससे नवजात मेमनों को टिटनेस नमक बीमारी न हो।